

# ॥ हे रुणीचे रा धणियाँ अजमाल जी रा कँवरा भजन ॥

Chalisamantras.com

हे रुणीचे रा धणियाँ,  
अजमाल जी रा कँवरा,  
माता मेणादे रा लाल,  
राणी नेतल रा भरतार,  
म्हारो हेलो,  
सुणो नी रामा पीर जी ॥

घर - घर होवे पूजा थांरी,  
गाँव - गाँव जस गावे जी ।  
जो कोई लेवे नाम धणी रो,  
मन चाया फळ पावे जी ।

हे रामसा पीर थारी,  
ड्योढी पर शीश झुकावाँ,  
मनडे रा फूल चढावाँ,  
हे रुणीचे रा धणियाँ,  
अजमाल जी रा कँवरा ॥

थे तो बाबा मालिक म्हारा,  
म्हे हाँ थारा दास जी ।  
म्हां पर किरपा की जो बाबा,  
टाबर अपणा जाण जी ।  
श्वारथिया रो जहर उतारो,  
घडी पलक री सासा,  
बन्धावो म्हाने आशा,  
हे रुणीचे रा धणियाँ,  
अजमाल जी रा कँवरा ॥

दास करे अरदास पीर जी,  
डसगयो काळो नाग जी ।  
मरतोङ्गा ने जीव दान दो,  
जीतां ने वरदान जी ।  
महिमा अपरम्पार थांरी,  
धन - धन भाग्य विधाता,  
थाने घणी खम्मा अन्नदाता,  
हे रुणीचे रा धणियाँ,  
अजमाल जी रा कँवरा ॥